

प्रेषक,

एम०एच०खान  
सचिव  
उत्तराखण्ड शासन ।

सेवा में,

- 1- मुख्य महाप्रबन्धक,  
उत्तराखण्ड जल संस्थान  
देहरादून।
- 2- प्रबन्ध निदेशक,  
उत्तराखण्ड पेयजल निगम  
देहरादून।

पेयजल अनुभाग- 2

देहरादून:दिनांक: 24 मार्च 2009

विषय: प्रदेश के अभावग्रस्त/संकटग्रस्त क्षेत्रों में नये हैण्डपम्पों के अधिष्ठापन हेतु प्रशासकीय एवं वित्तीय तथा व्यय की स्वीकृति।

महोदय,

वर्तमान में ग्रीष्म ऋतु में चल रहे गम्भीर पेयजल संकट के समाधान हेतु प्रदेश के अभावग्रस्त/संकटग्रस्त क्षेत्रों में हैण्डपम्प अधिष्ठापित किये जाने के सम्बंध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि उत्तराखण्ड राज्य के अभावग्रस्त/संकटग्रस्त क्षेत्रों में हैण्डपम्पों के अधिष्ठापन हेतु जनपद देहरादून, हरिद्वार एवं उधमसिंह नगर हेतु रु० 100.00 लाख (रु० एक करोड़ मात्र) उत्तराखण्ड पेयजल निगम तथा शेष 10 जनपदों हेतु रु० 400.00 लाख (रु० चार करोड़ मात्र) उत्तराखण्ड जल संस्थान अर्थात् कुल रु० 500.00 लाख (रु० पाँच करोड़ मात्र) की धनराशि बालू वित्तीय वर्ष 2008-09 में संलग्न बी०एम०-15 में उल्लिखित बचतों से पुनर्विनियोग के माध्यम से व्यय हेतु निम्न शर्तों के अधीन आपके नियंत्रण पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहमति स्वीकृति प्रदान करते हैं।

(2) जनपद देहरादून, हरिद्वार एवं उधमसिंह नगर हेतु स्वीकृत धनराशि प्रबन्ध निदेशक, उत्तराखण्ड पेयजल निगम के हस्ताक्षर तथा जिलाधिकारी, देहरादून तथा शेष 10 जनपदों हेतु स्वीकृत धनराशि मुख्य महाप्रबन्धक, उत्तराखण्ड जल संस्थान तथा जिलाधिकारी, देहरादून के प्रतिहस्ताक्षर युक्त बिल देहरादून कोषागार में प्रस्तुत करके वास्तविक आवश्यकता के अनुसार आहरित की जायेगी। आहरण से सम्बंधित वाउचर संख्या एवं दिनांक की सूचना शासन तथा महालेखाकार, उत्तराखण्ड को तत्काल उपलब्ध करायी जाये।

(3) स्वीकृत किये जा रहे हैण्डपम्पों वही लगाये जायेंगे जहाँ ग्रीष्मऋतु में पेयजल का भंडार गम्भीर संकट होगा। हैण्डपम्प अधिष्ठापन के लिए स्थल चयन करते समय जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी यह सुनिश्चित करेंगे कि आदर्श आचार संहिता का कोई उल्लंघन न हो।

१८

4- कराये जाने वाले कार्यों पर वित्त(वे0आ0-सा0नि0) अनुभाग-7 के शासनादेश संख्या 163/XXVII(7)/2007, दिनांक 22.05.08 के अनुसार सेन्टेज प्रभार अनुमन्य होगा।

5- निर्माण सामग्री क्रय करने हेतु उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 का पालन कड़ाई से किया जाय।

6- स्वीकृत धनराशि ऐसी योजनाओं पर कदापि व्यय न की जाय, जिसके संबंध में तकनीकी स्वीकृति नहीं है अथवा जो विवादग्रस्त है।

7- स्वीकृत योजनायें पूर्व स्वीकृत लागत में पूर्ण की जायेगी और किसी भी दशा में योजनाओं की अनुमानित लागत बढ़ने का कारण मान्य नहीं होगा।

(8) व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल फाईनेन्शियल हैण्डबुक अथवा अन्य स्थायी आदेशों के अंतर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति की आवश्यकता हो, उसमें व्यय करने से पूर्व ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय। निर्माण कार्यों पर व्यय करने से पूर्व आगणनों एवं विस्तृत आगणनों पर प्रशासकीय/वित्तीय स्वीकृति के साथ-साथ सक्षम प्राधिकारी की प्राविधिक स्वीकृति भी अवश्य प्राप्त कर ली जाय।

(9) कार्य की समयबद्धता एवं गुणवत्ता पर विशेष बल दिया जाय। गुणवत्ता हेतु पूर्ण उत्तरदायित्व सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता का होगा।

(10) स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31.03.2009 तक पूर्ण उपयोग कर कार्य की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति का विवरण शासन को उपलब्ध करा कराया जायेगा।

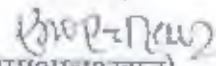
(11) स्वीकृत किये जा रहे हैण्डपम्पों का अधिष्ठापन राज्य में भयंकर सूखे को दृष्टिगत रखते हुए गम्भीर पेयजल संकट के कारण क्षेत्र सुधार कार्यक्रम (SWAP) से आश्रित नहीं होगा।

12- उपर्युक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 में अनुदान सं0-13 के अंतर्गत लेखाशीर्षक "2215-जलापूर्ति तथा सफाई-01-जलापूर्ति- आयोजनागत-101-शहरी जलापूर्ति कार्यक्रम-05-नगरीय पेयजल -91- हैण्डपम्पों का अधिष्ठापन (जिला योजना)-20-सहायक अनुदान/अंशदान /राजसहायता के नामे" डाला जायेगा।

13- यह आदेश वित्त विभाग की अशासकीय सं0 1376/XXVII(2)/2009 04 मार्च 2009 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

सलग्न-यथोक्त

र

भवदीय,  
  
 (एम0एच0खान)  
 सचिव

संख्या—260(1)/उन्नीस(2)/09-2(27पे0)/टीसी2007,तददिनांक

प्रतिलिपि-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1-निजी सचिव, मा0 पेयजल मंत्री जी के अवलोकनार्थ ।
- 2-महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 3-मण्डलायुक्त गढ़वाल/कुमायूँ, पौड़ी/नैनीताल।
- 4-वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- 5-प्रबन्ध निदेशक, उत्तराखण्ड पेयजल निगम, देहरादून।
- 6-मुख्य महाप्रबन्धक, उत्तराखण्ड जल संस्थान, देहरादून।
- 7-महाप्रबन्धक, उत्तराखण्ड जल संस्थान, पौड़ी/नैनीताल।
- 8-मुख्य अभियन्ता, उत्तराखण्ड पेयजल निगम गढ़वाल/कुमायूँ
- 9-वित्त अनुभाग-2/वित्त,बजट सेल/नियोजन प्रकोष्ठ, उत्तराखण्ड शासन देहरादून।
- 10-स्टाफ ऑफिसर, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
- 11-निदेशक, सूचना एवं लोक सम्पर्क निदेशालय, देहरादून।
- 12-निदेशक, एन0आई0सी0, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर, देहरादून

आज्ञा से

(नवीन सिंह तड़ागी)  
उप सचिव